NEWS CLIPPING: 13.02.2020

THE TRIBUNE

NATIONAL MEET ON REFRIGERATION

Faridabad: The Community College of Skill Development of the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, in collaboration with ISHRAE, Gurugram chapter, organised a two days national conference for HVAC, refrigeration and cold chain service engineers and professionals here recently. Participants were apprised about the latest happenings in the refrigeration, cold chain and industry with additional content of technical lectures from industry experts. During the conference, topics which were discussed include an approach of equipment selection on application for cold chain projects, infusion of digital electronics and IOT in HVAC and cold chain for analytical approach for optimised energy efficient system operation and safety and design considering and latest technology updates on ammonia refrigeration systems.

The Tribune Thu, 13 February 2020 https://epaper.tribune.

NEWS CLIPPING: 13.02.2020

PUNJAB KESARI

नैक मूल्यांकन की प्रक्रिया पारदर्शी और परिणामोन्मुखी: प्रो. चक्रवर्ती

- **विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी कॉलेजों के लिए नैक मान्यता आवश्यक: प्रो. दिनेश कुमार**
- **नैक मान्यता की संशोधित रूपरेखा पर राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला का आयोजन**

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. एसके चक्रवर्ती।

फरीदाबाद, 12 फरवरी (ब्यूरो): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से नैक मान्यता की संशोधित रूपरेखा पर राष्ट्रीय स्तर की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् के सौजन्य से किया गया था।

इस कार्यशाला का उद्देश्य नैक मान्यता की संशोधित रूपरेखा एवं प्रक्रिया तथा उच्च शिक्षा संस्थानों को इसके लाभों के बारे में जागरूक करना था। कार्यशाला के दौरान नैक मान्यता की संशोधित प्रक्रिया के गुणात्मक और मात्रात्मक मैट्रिक्स तथा आईक्यूएसी की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एनआईटी, कुरुक्षेत्र के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. एसके चक्रवर्ती, डीन (क्वालिटी एश्योरेंस) प्रो. संदीप ग्रोवर, डीन (फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) प्रो. तिलक राज, निदेशक, आईक्यूएसी प्रो. हरिओम के अलावा कई अन्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित थे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने नैक मान्यता के संशोधित प्रारूप के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से कार्यशाला आयोजित करने पर आईक्यूएसी प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना की तथा विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों के लिए नैक मान्यता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नैक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता लाने के लिए कार्यशाला के लिए आयोजन में सहयोग के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद का आभार जताया। इससे पहले, आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हरिओम ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया और कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नैक के संशोधित प्रत्यायन प्रारूप में पाठ्यचर्या, शिक्षण-अधिगम, छात्र सहयोग, अनुसंधान, अवसंरचना, शासन आदि से संबंधित दस्तावेजों को आवश्यक बनाया है। अपने संबोधन में प्रो. एसके चक्रवर्ती जोकि एनबीए, एआईसीटीई और नैक के पैनल पर विशेषज्ञ सदस्य हैं, ने नैक मान्यता के संशोधित प्रारूप की अवधारणा पर प्रस्तुति दी। उन्होंने जानकारी दी कि नैक द्वारा किस प्रकार से मूल्यांकन की प्रक्रिया को और अधिक पुख्ता, पारदर्शी, मैत्रीपूर्ण और परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे है। कार्यशाला के दौरान, दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहले तकनीकी सत्र में, प्रो. संदीप ग्रोवर ने नैक के संशोधित प्रारूप में प्रक्रिया और मानदंडों के बारे में बताया तथा प्रो. तिलक राज ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के गठन एवं कार्यों से संबंधित जानकारी दी। दूसरे तकनीकी सत्र में, एमडीयू रोहतक के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. सुरेश बेदी ने उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए किये जा रहे बेहतर कार्यों के संबंध में जानकारी दी।

कार्यशाला का अंतिम प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने नैक प्रक्रिया से संबंधित संशयों बारे में जानकारी प्राप्त की। सत्र के अंत में, निदेशक आईक्यूएसी ने कार्यशाला की कार्यवाही को संक्षेप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यशाला में प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया। कार्यशाला प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ संपन्न हो गई। कार्यशाला में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें शैक्षणिक विभागों से सभी विभागाध्यक्षों, विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कॉलेजों के संकाय सदस्यों और देशभर से विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया तथा नैक के संशोधित प्रारूप को लेकर जानकारी हासिल की।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 13 February 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/48957808

NEWS CLIPPING: 13.02.2020

NAVBHARAT TIMES

'ज्यादा से ज्यादा वर्कशॉप कराकर सिखाएं काम की बात'

■**एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में नैशनल असेसमेंट एंड एक्रिडेशन काउंसलिंग (नैक) की मान्यता की संशोधित रूपरेखा पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला हुई। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से इसका आयोजन हुआ।

इसका उद्देश्य नैक मान्यता की संशोधित रूपरेखा, प्रक्रिया के बारे में उच्च शिक्षा संस्थानों को जागरूक करना था। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्र से आए सेवानिवृत्त प्रफेसर डॉ. एस.के. चक्रवर्ती, डीन (क्वॉलिटी इश्योरेंस) प्रो. संदीप ग्रोवर, डीन (फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) प्रो. तिलक

राज, निदेशक, आईक्यूएसी प्रो. हरिओम शामिल थे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने नैक मान्यता के संशोधित प्रारूप के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से कार्यशाला आयोजित की और विश्वविद्यालय से संबंधित कॉलेजों के लिए इसकी आवश्यकता पर बल दिया।

इस मौके पर आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हरिओम, प्रो. संदीप ग्रोवर, प्रो. तिलक राज और सेवानिवृत्त प्रफेसर डॉ. सुरेश बेदी ने भी इस संबंध में जानकारी दी।

NEWS CLIPPING: 13.02.2020

TOP STORY

JC Bose University conducts workshop on 'Revised Accreditation Framework of NAAC

Jag Mohan Thaken
Chandigarh

The Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, in association with Faculty of Engineering and Technology, today organized a one-day workshop on "An insight into Revised Accreditation Framework of NAAC". The workshop was sponsored by National Assessment and Accreditation Council (NAAC).

The objective of this workshop was to create awareness about NAAC Accreditation Process and its benefits to the higher education Institutions and to discuss qualitative and quantitative metrics of revised NAAC Accreditation.

The workshop was inaugurated by Chief Guest Prof. S. K. Chakarvarti, Professor (Retd.) NIT, Kurukshetra, Prof. Sandeep Grover, Dean (Quality Assurance), Prof. Tilak Raj, Dean (Faculty of Engineering and Technology), Prof. Hari Om, Director, IQAC and other invited dignitaries.

In his message, Vice Chancellor Prof. Dinesh Kumar emphasized on the need for accreditation of the colleges affiliated to the University and appreciated the initiative of IQAC Cell of the University for conducting an awareness workshop for Revised Accreditation Framework of NAAC and extended gratitude to NAAC for the support in organizing the workshop.

Prof. Hari Om, Director, IQAC welcomed all the distinguished guests and briefed the participants about the objective of the workshop. He informed that the Revised Accreditation Framework of NAAC has necessitated documentation of the details on all aspects related to Curriculum, Teaching-Learning, Student Support, Research, Infrastructure, Governance etc.

In his keynote address, Prof. S. K. Chakarvarti who is expert on the panel of NBA, AICTE and NAAC, introduced the concept of the NAAC's Revised Accreditation Framework. He emphasized that how the NAAC is striving to make the process of assessment more robust, transparent, friendly and outcome oriented.

During the workshop, two technical sessions and open session were conducted. In the first technical session, Prof. Sandeep Grover apprised about the Process and Parameters in Revised NAAC Framework and Prof. Tilak Raj talked about formation, functions and impact of Internal Quality Assurance Cell.

In the second technical session, Prof. Simesh Bedi, Professor (Retd.) from MDU Rohtak discussed the best practices in higher education and Prof. Hari Om explained Online Assessment and Accreditation (A&A) methodology. The last session of the workshop was to address the queries and questions of the participants.

At the end of session, Director IQAC summarized the proceedings of the workshop. He thanked the participants for their keen interest and active interaction during the sessions. He also thanked NAAC for extending support in conduct of the workshop. The workshop concluded with distribution of certificates to the participants.

As many as 60 participants attended the workshop. These included Chairpersons of all Departments, faculty members and officials from University, affiliated colleges and other educational institutions across the nation.

NEWS CLIPPING: 13.02.2020

TOP STORY

JC Bose Varsity Conducts Workshop On Revised Accreditation Framework Of NAAC

Chandigarh: The Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, in association with Faculty of Engineering and Technology, today organized a one-day workshop on "An insight into Revised Accreditation Framework of NAAC". The workshop was sponsored by National Assessment and Accreditation Council (NAAC).

The objective of this workshop was to create awareness about NAAC Accreditation Process and its benefits to the higher education Institutions and to discuss qualitative and quantitative metrics of revised NAAC Accreditation. The workshop was inaugurated by Chief Guest Prof. S. K. Chakarvarti, Professor (Retd.) NIT, Kurukshetra, Prof. Sandeep Grover, Dean (Quality Assurance), Prof. Tilak Raj, Dean (Faculty of Engineering and Technology), Prof. Hari Om, Director, IQAC and other invited dignitaries.

In his message, Vice Chancellor Prof. Dinesh Kumar emphasized on the need for accreditation of the colleges affiliated to the University and appreciated the initiative of IQAC Cell of the University for conducting an awareness workshop for Revised Accreditation Framework of NAAC and extended gratitude to NAAC for the support in organizing the workshop.

Prof. Hari Om, Director, IQAC welcomed all the distinguished guests and briefed the participants about the objective of the workshop. He informed that the Revised Accreditation Framework of NAAC has necessitated documentation of the details on all aspects related to Curriculum, Teaching-Learning, Student Support, Research, Infrastructure, Governance etc.

In his keynote address, Prof. S. K. Chakarvarti who is expert on the panel of NBA, AICTE and NAAC, introduced the concept of the NAAC's Revised Accreditation Framework. He emphasized that how the NAAC is striving to make the process of assessment more robust, transparent, friendly and outcome oriented.

During the workshop, two technical sessions and open session were conducted. In the first technical session, Prof. Sandeep Grover apprised about the Process and Parameters in Revised NAAC Framework and Prof. Tilak Raj talked about formation, functions and impact of Internal Quality Assurance Cell.

In the second technical session, Prof. Suresh Bedi, Professor (Retd.) from MDU Rohtak discussed the best practices in higher education and Prof. Hari Om explained Online Assessment and Accreditation (A&A) methodology. The last session of the workshop was to address the queries and questions of the participants. At the end of session, Director IQAC summarized the proceedings of the workshop. He thanked the participants for their keen interest and active interaction during the sessions. He also thanked NAAC for extending support in conduct of the workshop. The workshop concluded with distribution of certificates to the participants.

As many as 60 participants attended the workshop. These included Chairpersons of all Departments, faculty members and officials from University, affiliated colleges and other educational institutions across the nation.(JMT)

NEWS CLIPPING: 13.02.2020

AMAR UJALA

नैक मूल्यांकन प्रक्रिया हुई पारदर्शी: प्रो. चक्रवर्ती

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की ओर से नैक मान्यता की संशोधित रूपरेखा पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। नैक मान्यता की संशोधित रूपरेखा, प्रक्रिया के बारे में उच्च शिक्षा संस्थानों को सूचित करना था। कार्यशाला में नैक मान्यता की संशोधित प्रक्रिया के गुणात्मक और मात्रात्मक मैट्रिक्स और आईक्यूएसी प्रक्रिया पर चर्चा की गई। कुरुक्षेत्र के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. एसके चक्रवर्ती ने कार्यशाला सत्र की शुरुआत की। इस दौरान प्रो. संदीप ग्रोवर, प्रो. तिलक राज, निदेशक, आईक्यूएसी प्रो. हरिओम मौजूद रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने नैक मान्यता के संशोधित प्रारूप के प्रति जागरूकता लाने के लिए विषय पर चर्चा की। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 13.02.2020

DAINIK BHASKAR

विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी कॉलेजों के लिए नैक मान्यता जरूरीः वीसी. दिनेश

फरीदाबाद | जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) ने फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से "नैक मान्यता की संशोधित रूपरेखा" पर राष्ट्र स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसका आयोजन राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के सौजन्य से किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य नैक मान्यता की संशोधित रूपरेखा एवं प्रक्रिया तथा उच्च शिक्षा संस्थानों को इसके लाभों के बारे में जागरूक करना था। कार्यशाला के दौरान नैक मान्यता की संशोधित प्रक्रिया के गुणात्मक और मात्रात्मक मैट्रिक्स तथा आईक्यूएसी की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई।